

प्रेषक,

गोपाल कृष्ण द्विवेदी,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अध्यक्ष,
नैनीताल झील परिक्षेत्र विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण
नैनीताल।

आवास अनुभाग

देहरादून, दिनांक 30 नवम्बर 2007

विषय : बलियानाले के सुरक्षात्मक कार्यों के अन्तर्गत रईस होटल कम्पाउण्ड, तल्लीताल
नैनीताल में अवस्थित परिवारों के पुनर्वास के सम्बन्ध में आवास निर्माण हेतु।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक शून्य/नै0वि0प्रा0/2006-07 दिनांक 03-9-2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रईस होटल कम्पाउण्ड, नैनीताल में अवस्थित 89 परिवारों के पुनर्वास हेतु 108 आवास निर्मित किये जाने के सम्बन्ध में प्रेषित आगणन रु0 324.00 लाख की लागत के आगणन के विपरीत टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत रु0 289.69 लाख (दो करोड़ नवासी लाख उनहत्तर हजार मात्र) के आगणन की प्रशारसकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इसके विपरीत रु0 140.13 लाख (एक करोड़ चालीस लाख तेरह हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल माहोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

- (1) उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्था का बैंक ड्राफ्ट अथवा बैंक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी, जिसका उपयोग दिनांक 31-3-08 तक कर लिया जायेगा।
- (2) उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिये किया जायेगा, जिन योजनाओं एवं मदों के लिये धनराशि स्वीकृत की गई है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
- (3) स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर सम्बन्धित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। ✓

- (4) आगणन में उल्लिखित दरों का विरलेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (5) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।
- (6) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृति नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- (7) एक मुश्त प्रावधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
- (8) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रसूचित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (9) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूमिमेवला के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- (10) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- (11) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (12) जी०पी० डब्ल्यू फार्म ९ की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर १० प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (13) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XVI/219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन पठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जायेगा।

✓

- (14) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2008 तक उपयोग कर लिया जायेगा और कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।
- 2- उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-03-नैनीताल क्षेत्र की झीलों तथा बलियानाले के सुधार एवं संरक्षण (70 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग अध्यापत्र सं०-843/XXVII(2)/2007 दिनांक 29 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(गोपाल कृष्ण द्विवेदी)
अपर सचिव।

संख्या 2410⁽⁶⁾/V-आ०-07-तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 5- वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फ़ाइल।

आज्ञा से
(गरिमा रौकली)
उप-सचिव।